

(Viii) समूहवाची शब्द-

वे शब्द जो किसी समुदाय या समूह का बोध कराते हैं, समूहवाची शब्द कहलाते हैं-

जैसे - (i) व्यक्तियों का समूह, (ii) वस्तुओं का समूह आदि

(i) व्यक्तियों का समूह-

वे समूहवाची शब्द जो व्यक्तियों के समूह का बोध कराते हैं; व्यक्तियों के समूहवाची शब्द कहलाते हैं -

जैसे- सभा, सेना, सम्मेलन, गिरौह, जत्था, गोष्ठी, टीम, दल, टोली, हँद, गण, जन, भीड़ इत्यादि

(ii) वस्तुओं का समूह- वे समूहवाची शब्द जो वस्तुओं के समूह का बोध कराते हैं, वस्तुओं के समूहवाची शब्द कहलाते हैं-

जैसे- गुच्छा, ढेर, कुंज, आगार इत्यादि

ध्वनि के आधार पर शब्द / ध्वन्यार्थक शब्द:-

वे शब्द जो किसी ध्वनि के अर्थ का बोध कराते हैं अर्थात् किसी ध्वनि से बनने वाले शब्द, ध्वन्यार्थक शब्द कहलाते हैं:-

ध्वन्यार्थक शब्दों को तीन भागों में बाँट दिया जाता है:-

- (i) पशुओं की बोलियाँ (ii) पक्षियों की बोलियाँ (iii) जड़ पदार्थों की ध्वनियाँ

(i) पशुओं की बोलियाँ—

दहाड़ना—शेर, चिंघाड़ना—हाथी,
 गुर्राना—चीता, बलबलाना—ऊँट, टिनटिनना—घोड़ा,
 मिमियाना—बकरी, भोंकना—कुत्ता, म्याऊँ—म्याऊँ—बिल्ली,
 खिर्र-खिर्र—बंदर, हुआ-हुआ—गीदड़,
 टें-पू-टें-पू—गधा, रँभाना—गाय, रोंकना—भैंस,
 रेंकना—गधा, डकारना—साँड़, फुफकारना—साँप.

(ii) पक्षियों की बोलियाँ-

हें-हें- तोता, काओं-काओं- कौआ,
 मेयो-मेयो- मोर, गुटरगूं- गुटरगूं- कषूतर,
 कू-कू- कोयल, पीऊ-पीऊ- पपीटा, चीं-चीं- चिड़िया,

(iii) जड़ पदार्थों की ध्वनियाँ-

धुक-धुक - रेलगाड़ी, टिक-टिक-घड़ी,
 लन-लन- घण्टा, टक-टक/खर-खर - दरवाजा, खड-खड-पत्ते,
 गड़-गड़ - बादल, लप-लप - पानी, खन-खन - सिक्के

चर-चर-चारपाई, धायं-धायं-बंदूक, फड़-फड़-पंख,
छन-छन-पायल, सौंय-सौंय-हवा, कुल-कुल-नदी,
झर-झर-झरना, कड़-कड़-बिजली इत्यादि

* अर्थ के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?

(i) तीन (ii) पाँच (iii) छह (iv) आठ

* स्वनि के अर्थ के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?

(i) दो ~~(ii) तीन~~ (iii) पाँच (iv) आठ